[illegible] School, [illegible]

FIRST TERMINAL EXAMINATION - AUG - 2017

हिन्दी

Class : X

Marks : 80

Time :- 3 Hrs.

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर एक प्रस्ताव लिखिए। [15]

i) डिजिटल भारत की ओर।

ii) दूरदर्शन से लाभ और हानि।

iii) खेलकूद का महत्व।

iv) साक्षरता।

v) विद्यार्थी तथा अनुशासन।

किसी एक विषय पर पत्र लिखिए। [7]

छोटे भाई को कुसंगति से दूर रहने का प्रेरणा पत्र लिखिए।

या

प्रधानाचार्य को आवश्यक काम की छुट्टी के लिए पत्र लिखिए।

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

एक घोड़ा घास चर रहा था। तभी उसने देखा कि एक लोमड़ी उसकी ओर आ रही है। वह लोमड़ी का स्वभाव जानता था। वह जानता था कि लोमड़ी बहुत चालाक है। इधर लोमड़ी भी यह जानती थी कि घोड़े बहुत ताकतवर होते हैं। इसलिए वह भी घोड़े को बातों में उलझाने का तरीका सोच रही थी। घोड़ा लोमड़ी को देखकर लँगड़ा-लँगड़ाकर चलने लगा। लोमड़ी ने पूछा कि उसे क्या हुआ है? तो घोड़े ने कहा, ऐसा लगता है कि मेरे पैर में काँटा चुभ गया है। इसीलिए

बहुत दर्द हो रहा है और चलने में मुश्किल भी हो रही है।' लोमड़ी ने कहा, 'मैंने एक डॉक्टर से इलाज करना सीखा है। तुम्हें काफी तकलीफ हो रही होगी। लाओ मुझे दिखाओ अपना पैर।' ऐसा कहकर लोमड़ी चालाकी से घोड़े को पैर से पकड़ने के लिए झुकी। उसने सोचा कि अगर उसने घोड़े को एक बार गिरा दिया तो फिर उस पर काबू पाना आसान हो जाएगा। लेकिन घोड़ा उससे ज़्यादा समझदार था। जैसे ही लोमड़ी ने उसका पैर पकड़ना चाहा घोड़े ने उसे एक ज़ोरदार लात मारी। लोमड़ी हवा में उड़कर दूर जा गिरी। अब घोड़े की जगह लोमड़ी लँगड़ा रही थी और सोच रही थी मेरी आदतें हैं चालाकी करना और घोड़े की आदत है लात मारना। दोनों अपनी-अपनी आदत से मज़बूर हैं। ऐसी आदतें जो कठिन समय में काम आ जाएँ, क्या बुरी हैं क्यों भाई मानते हो या नहीं? लेकिन ऐसी आदतें जो दूसरों को तकलीफ पहुँचाएँ..... कभी मत सीखो

प्रश्न

i) घास कौन चर रहा था और उसने क्या देखा? (2)
ii) लोमड़ी का स्वभाव कैसा है? (2)
iii) घोड़े कैसे होते हैं? (2)
iv) घोड़ा और लोमड़ी में ज़्यादा समझदार कौन था? (2)
v) अंत में लोमड़ी को क्या हुआ? (2)

V निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. विलोम शब्द लिखिए (1)

a) अमृत b) असली

VII कोठी का दरवाज़ा खुलते ही जैसे ही उन सबने अन्दर प्रवेश किया उन्हें लगा मानो स्वर्ग में आ गए हों।'

1. 'उन सबने 'कौन-कौन' हैं? उन्होंने कहाँ प्रवेश किया था? (2)
2. उन्होंने ऐसा क्या देखा कि उन्हें लगा मानो स्वर्ग में आ गए हों। समझाकर लिखिए। (2)
3. धनीमल जी ने मेहमानों के स्वागत की तैयारी किस तरह से की थी? (3)
4. क्या देखकर अमित के पैर तले से धरती खिसक गई? (3)

VIII "इतनी सारी बातें एक साथ ही पूछेगी क्या?"

1) यहाँ वक्ता और श्रोता कौन है? (2)
2) वक्ता ने क्या पूछा था? (2)
3) श्रोता ने क्या उत्तर दिया? (3)
4) संदर्भ समझाइए। (3)

एकांकी संचय

III "महल में धाय माँ अरावली पहाड़ बन कर बैठ गई है।

1) उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है? उसका परिचय दीजिए।
2) यह कथन किससे कहा जा रहा है? उसका परिचय दीजिए। (2)
3) दीपदान उत्सव का आयोजन किसने और क्यों किया था?
4) बनवीर का चरित्र चित्रण कीजिए। (3)

ले लो राक्षसो! यदि तुम्हारी हिंसा इसी से तृप्त होती है तो ले लो, मेरे प्राण भी ले लो।"

1) दुर्योधन की अशान्ति का क्या कारण है? (2)

2. पर्यायवाची शब्द लिखिए। (2)

a) झंडा b) साहस

3. एक शब्द लिखिए। (2)

1. जिस पर विश्वास किया जा सके।
2. जिसके पास धन न हो।

4. निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बनाइए। (2)

1. आग में घी डालना
2. अंग-अंग ढीला होना

5. विशेषण शब्द बनाइए। (1)

1. गरम 2. कमजोर

SECTION-B

नया रास्ता

दिए गए गद्यांश पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों उत्तर लिखिए। (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लि

V उसके हृदय में उड़ जाने के लिए छटपटाहट-सी थी। परतन्त्र पक्षी के समान अपनी स्थिति जानकर उसकी में आँसू छलक आए।

प्रश्न

i) यहाँ किसके बारे में कहा गया है? वह क्यों और कहाँ कहाँ उड़ जाना चाहती है? (2)

ii) टेलीग्राम में क्या समाचार आया था? (2)

iii) रात भर मीनू की क्या मनोदशा थी? (3)

iv) माया ने मीनू को क्या समझाया? (3)

2) यहाँ वक्ता और श्रोता कौन है? (2)
3) दुर्योधन का चरित्र चित्रण कीजिए। (3)
4) युधिष्ठिर कौन है? उसका परिचय दीजिए। (3)

X जिस कालाग्नि को तूने वर्षों घृत देकर उभाड़ा है, उ
लपेटों ~~में~~ तेरे साथी तो स्वाहा हो गए।"

1) वक्ता और श्रोता कौन है? (2)
2) इस कथन में किसकी लपटों में किसके साथी स्व
होने की बात कही गई है? (2)
3) इसका संदर्भ समझाइए? (3)
4) भीम कौन है? उसका परिचय दीजिए। (3)